हिन्दी

(संक्षिप्त बुद्धचरित) (अध्याय 2) (अभिनिष्क्रमण)
(कक्षा 8)

प्रश्न 1:
सिद्धार्थ को निर्वाण के विषय में पहली प्रेरणा किस प्रकार मिली?

उत्तर 1:
सिद्धार्थ को निर्वाण के विषय में पहली प्रेरणा तब मिली जब उसे भिक्षु वेश में एक पुरुष दिखाई दिया। वह और किसी को नहीं दिखाई पड़ रहा था। उस संन्यासी के अदृश्य हो जाने के बाद राजकुमार सिद्धार्थ को बहुत ही प्रसन्नता हुई। उसे विस्मय भी हुआ, उसे धर्म का ज्ञान प्राप्त हो गया था, इसलिए उसने अब अपने मन में घर त्यागने का संकल्प कर लिया।

प्रश्न 2:
राजकुमार ने तपोवन न जाने के लिए राजा के समक्ष क्या-क्या शर्तें रखीं?

उत्तर 2:
राजकुमार ने वन न जाने के लिए राजा के सामने चार शर्तें राखी वे हैं:

- मेरी मृत्यु न हो।
- मैं सदा रोगमुक्त रहूँ।
- मुझे कभी बुढ़ापा न आए और
- मेरी संपति सदा बनी रहे।

प्रश्न 3:
छंदक कौन था? सिद्धार्थ ने उसे नींद से क्यों जगाया?

उत्तर 3:
छंदक अस्तबल में घोड़ों की देखभाल करता था। सिद्धार्थ जब सबकुछ त्याग कर जाना चाहते थे तो उन्हें शीघ्र ही बहुत दूर चले जाने के लिए एक उत्तम घोड़े की जरूरत थी। इसलिए सिद्धार्थ ने छंदक को जगाया।

प्रश्न 4:
सिद्धार्थ से अलग होने पर छंदक और कंथक की दशा का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

उत्तर 4:
सिद्धार्थ से अलग होने पर छंदक और कंथक की दशा अत्यंत खराब हो गई। दोनों की आँखों से आँसू थमने का नाम नहीं ले रहे थे। उनके एक एक कदम भारी पड़ रहे थे। आते समय जिस दूरी को तय करने में उन्हें एक ही रात लगा था वापस जाते समय उसी दूरी को तय करने में उन्हें आठ दिन लग गये।

प्रश्न 5:
तपोवन में सिद्धार्थ ने तपस्वियों को क्या करने के लिए, कहा?

उत्तर 5:
तपोवन में सिद्धार्थ ने तपस्वियों से कहा कि स्वर्ग में सुख की अभिलाषा में इस लोक में अपने आप को कष्ट देना धर्म का सही मार्ग नहीं है। सिद्धार्थ ने कहा कि धर्म का लक्ष्य स्वर्ग न होकर मोक्ष होना चाहिए।

प्रश्न 6:
वन से लौटने के संबंध में राजमंत्री के तर्क सुनकर सिद्धार्थ ने क्या कहा?

उत्तर 6:
राजमंत्री के तर्क सुनकर सिद्धार्थ ने कहा कि माया और मोह किसी स्वप्न की तरह क्षणभंगुर होते हैं। इसलिए वह मोक्ष की तलाश में घर से निकल चुके हैं। मेरे लिए अब अपनी प्रतिज्ञा को तोड़ कर घर लौटना उचित नहीं होगा।

प्रश्न 7:

बिंबसार ने सिद्धार्थ की सहायता के लिए क्या प्रस्ताव रखा?

उत्तर 7:

बिंबसार ने सिद्धार्थ को वह सभी संसाधन देने का प्रस्ताव दिया यहाँ तक कि अपना आधा राज्य और सेना, ताकि सिद्धार्थ पुरुषार्थ करें और राजधर्म निभाएँ।